नव भारत
राष्ट्रहित का प्रहरी 1934 से

एक नजर में

प्रेम प्रसंग में महिला की हत्या, आरोपी ने भी दी जान

पवई. पन्ना जिले के पवई नगर में बुधवार को एक हृदयविदारक घटना सामने आई, जहां कथित प्रेम प्रसंग से जुड़े विवाद में एक महिला की हत्या कर दी गई. घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी युवक ने भी आत्मघाती कदम उठा लिया. दोहरी मौत की इस घटना से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई. जानकारी के अनुसार वार्ड क्र.14 स्थित अंबेडकर पार्क क्षेत्र में किराए के मकान में रह रही 37 वर्षीय रजनी शुक्ला का छोटी सुनवानी निवासी 38 वर्षीय सुरेंद्र तिवारी के साथ लंबे समय से परिचय था. बताया जाता है कि बुधवार दोपहर सुरेंद्र तिवारी महिला के घर पहुंचा. घर में प्रवेश करने के बाद उसने महिला की बेटी को बाहर भेज दिया. इसके बाद दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया.

लापरवाही पर एसपी ने की 4 आरक्षक पर कार्रवाई

मंदसौर. जिले में कानून व्यवस्था और पुलिस अनुशासन को लेकर पुलिस अधीक्षक ने सख्त रुख अपनाते हुए चार आरक्षकों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है. अलग-अलग मामलों में लापरवाही, अनुशासनहीनता और अभद्र व्यवहार की शिकायतों के बाद दो आरक्षकों को निलंबित कर दिया गया, जबकि दो अन्य को लाइन अटैच किया गया है. जानकारी के अनुसार गरोठ थाना क्षेत्र में पदस्थ दो आरक्षकों का स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ विवाद हो गया था.

उरी एलओसी में धमाके में सेना के दो जवान शहीद

श्रीनगर. जम्मू-कश्मीर के उरी सेक्टर के कमलकोट इलाके में नियंत्रण रेखा के पास हुए एक धमाके में भारतीय सेना के दो जवान शहीद हो गए. यह घटना मंगलवार देर शाम की बताई जा रही है, जब इलाके में अचानक विस्फोट हुआ और दोनों जवान गंभीर रूप से घायल हो गए. घायल जवानों को तुरंत सेना के चिकित्सा केंद्र में ले जाया गया, जिसके बाद उन्हें श्रीनगर स्थित 92 बेस अस्पताल रेफर किया गया. इलाज के दौरान दोनों जवानों ने दम तोड़ दिया. शहीद जवानों की पहचान महाराष्ट्र के ऐरोली निवासी चव्हाण विक्रम बालकृष्ण और सतारा जिले की कराड तहसील के शाहपुर निवासी अर्जुन जाधव राजेंद्र के रूप में हुई है. दोनों जवान 8 राष्ट्रीय राइफल्स से जुड़े हुए थे.

एमपी की कृषि विरासत चमकी

ब्रिक्स कृषि सम्मेलन | ब्रिक्स प्रतिनिधियों को भाया मप्र का ग्रामीण रंग, गोंड कला तक सबने जीता दिल

- विदेशी मेहमानों ने करीब से देखा मध्यप्रदेश का गांव
- मालवी साफा, मांदल की थाप और देसी बीजों का कमाल

नवभारत न्यूज़

इंदौर, 10 जून. सूट-बूट पहने विदेशी प्रतिनिधि, सिर पर मालवी साफा, सामने जनजातीय मांदल की थाप और आसपास गांव के माहौल की झलक. ब्रिक्स कृषि सम्मेलन के बीच मंगलवार को इंदौर का ग्रामीण हाट कुछ देर के लिए अंतरराष्ट्रीय संवाद का केंद्र बन गया, जहां खेती, संस्कृति और परंपरा की भाषा बिना किसी अनुवाद के समझी जा रही थी.

सम्मेलन कक्षों की औपचारिक चर्चाओं से बाहर निकले विदेशी मेहमानों ने जब ग्रामीण हाट में कदम रखा तो उनका स्वागत किसी सरकारी आयोजन की तरह नहीं, बल्कि गांव के मेहमान की तरह हुआ. जनजातीय कलाकारों के नृत्य और लोकधुनों ने माहौल को जीवंत बना दिया. कई विदेशी प्रतिनिधि मोबाइल कैमरों में इस दृश्य को कैद करते रहे, जबकि कुछ कलाकारों के साथ थिरकते भी नजर आए.

> ग्रामीण हाट का यह भ्रमण केवल उत्पाद प्रदर्शन तक सीमित नहीं रहा. इसने विदेशी मेहमानों को यह समझने का अवसर दिया कि मध्यप्रदेश में खेती सिर्फ उत्पादन का माध्यम नहीं, बल्कि संस्कृति, परंपरा, जैव विविधता, महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का आधार भी है. यही वजह रही कि लौटते समय कई प्रतिनिधि अपने साथ केवल उत्पाद ही नहीं, बल्कि मध्यप्रदेश के गांवों की एक जीवंत तस्वीर भी लेकर गए.

लेकिन असली दिलचस्पी नाच-गाने से आगे स्टॉलों पर दिखाई दी. रीवा के जीआई टैग प्राप्त सुंदरजा आम का स्वाद चखने के बाद कई प्रतिनिधि उसके बारे में विस्तार से जानकारी लेते दिखे. आम की मिठास और खुशबू ने उन्हें इतना प्रभावित किया कि कुछ प्रतिनिधियों ने निर्यात और विपणन की संभावनाओं पर भी चर्चा की.

ग्रामीण हाट में मौजूद सैकड़ों उत्पादों के बीच मंडला की किसान लहरी बाई का दुर्लभ बीज संग्रह सबसे अलग नजर आया. आधुनिक कृषि के दौर में जहां परंपरागत बीज तेजी से गायब हो रहे हैं, वहीं लहरी बाई द्वारा संरक्षित श्रीअन्न और अन्य देसी बीजों ने विदेशी प्रतिनिधियों का ध्यान खींचा. कई प्रतिनिधियों ने बीज संरक्षण के इस मॉडल को जलवायु परिवर्तन और खाद्य सुरक्षा के संदर्भ में महत्वपूर्ण बताया.

बुरहानपुर के केले से बने चिप्स और कुकीज़ तो लोगों को पसंद आए ही, लेकिन केले के रेशों से तैयार वस्त्रों ने सबसे ज्यादा उत्सुकता जगाई. प्रतिनिधि यह जानने में रुचि दिखाते रहे कि जिस फसल को आमतौर पर केवल फल के रूप में देखा जाता है, उससे कपड़ा भी बनाया जा सकता है.

ग्रामीण हाट का एक दिलचस्प दृश्य उन स्टॉलों पर भी देखने को मिला जहां मध्यप्रदेश की हस्तशिल्प और वस्त्र परंपरा प्रदर्शित की गई थी. चंदेरी और महेश्वरी साड़ियों की बुनावट, बाघ प्रिंट के रंग और गोंड चित्रकला की बारीकियों को विदेशी मेहमान ध्यान से देखते रहे. कई प्रतिनिधियों ने स्थानीय उत्पाद खरीदे और उनकी निर्माण प्रक्रिया के बारे में जानकारी ली.

आयोजन का सबसे अनौपचारिक लेकिन यादगार हिस्सा वह रहा जब विदेशी प्रतिनिधि पारंपरिक खाटों पर बैठकर स्थानीय उत्पादों से बने नाश्ते का स्वाद लेते नजर आए. सम्मेलन की औपचारिकता से दूर यह दृश्य भारतीय ग्रामीण जीवन की सहजता और आत्मीयता का परिचायक था.

1400 करोड़ बैंक फ्रॉड : ईडी का एक्शन

आलिबाग के पास मुरुड में लग्जरी संपत्ति जब्त, कार्रवाई 180 करोड़ के करीब

60 करोड़ की समंदर किनारे प्रॉपर्टी अटैच

11 9 करोड़ की प्रॉपर्टी पहले ही अटैच हुई लंदन की

नव भारत न्यूज

इंदौर, 10 जून. 1400 करोड़ रुपए के एसकेएनएल बैंक फ्रॉड मामले में प्रवर्तन निदेशालय इंदौर ने बड़ी कार्रवाई करते हुए महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के मुरुड क्षेत्र में आलिबाग के पास स्थित अरब सागर किनारे बनी 60 करोड़ रुपए से अधिक कीमत की लग्जरी प्रॉपर्टी को अस्थायी रूप से अटैच कर लिया है. यह कार्रवाई पीएमएलए 2002 के प्रावधानों के तहत की गई है.

ईडी की अधिकृत जानकारी के अनुसार जांच में सामने आया है कि एस. कुमार्स नेशनवाइड लिमिटेड (एसकेएनएल) के पूर्व चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर नितिन शंभुकुमार कसलीवाल ने अपने और परिवार के नियंत्रण वाली कंपनियों के नेटवर्क के जरिए बैंकों से लिए गए लोन की रकम को डायवर्ट कर उसकी लेयरिंग की. इसी डायवर्ट की गई राशि का इस्तेमाल मुरुड-आलिबाग क्षेत्र में समुद्र किनारे इस हाई वैल्यू इमूवेबल प्रॉपर्टी को खरीदने में किया, जिसे ईडी ने सीधे अपराध से अर्जित संपत्ति (प्रोसीड्स ऑफ क्राइम) मानते हुए अटैच किया है.

पूरे नेटवर्क का संचालन नितिन कसलीवाल द्वारा हो रहा था

ईडी की जांच में यह भी प्रमाणित हुआ है कि विभिन्न बैंकों के कंसोर्टियम द्वारा एसकेएनएल को दिए गए लोन फंड को संबंधित कंपनियों के जरिए घुमाकर निजी संपत्तियों में निवेश किया. इस पूरे नेटवर्क का संचालन नितिन कसलीवाल द्वारा किया जा रहा था. इससे पहले ईडी ने 23 दिसंबर 2025 को पीएमएलए की धारा 17 के तहत सर्च कार्रवाई करते हुए ऑफशोर ट्रस्ट और कंपनी स्ट्रक्चर के जरिए विदेशों में रखी गई संपत्तियों के साक्ष्य जुटाए थे. इसी के आधार पर लंदन (यूनाइटेड किंगडम) में बकिंघम पैलेस के पास स्थित करीब 119.55 करोड़ रुपए की एक और हाई-वैल्यू प्रॉपर्टी को अटैच किया जा चुका है. ईडी अधीकारी के अनुसार इस मामले में अब तक करीब 179.55 करोड़ रुपए की संपत्तियां अटैच की जा चुकी हैं. एजेंसी द्वारा बैंक कंसोर्टियम के साथ हुए इस बड़े फ्रॉड से जुड़े अन्य प्रोसीड्स ऑफ क्राइम की तलाश के लिए जांच लगातार जारी है.

नवविवाहिता को सल्फास खिलाकर की हत्या

उज्जैन. जिले में नवविवाहिता को कथित रूप से जबरन सल्फास खिलाकर उसकी हत्या करने के मामले में पुलिस ने पति, सास और ससुर को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया. पुलिस सूत्रों के अनुसार जिले के बरथून गांव निवासी एक नवविवाहिता को दो जून को जहरीला पदार्थ सेवन करने की स्थिति में नागदा के जनसेवा अस्पताल ले जाया गया था.

युवक की चाकू गोदकर हत्या

ग्वालियर, 10 जून. शहर के मुरार थाना क्षेत्र स्थित बंसीपुरा चौराहे पर मंगलवार को दिनदहाड़े एक युवक की चाकू गोदकर हत्या कर दी गई. इस सनसनीखेज वारदात से इलाके में दहशत और तनाव का माहौल बन गया. घटना में युवक की मां भी घायल हो गई, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है.

21 वर्षीय मोनू राजे पर तीन से चार युवकों ने अचानक हमला कर दिया. आरोपियों ने उस पर ताबड़तोड़ चाकू से वार किए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई. बीच-बचाव करने पहुंची उसकी मां भी हमले में घायल हो गई. घटना की सूचना मिलते ही मुरार थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया.

दोषी अधिकारियों पर क्या कार्रवाई हुई?

- कोर्ट का फैसला पलटने की कोशिश पर हाईकोर्ट सख्त

जबलपुर, 10 जून. न्यायिक आदेश को विभागीय फरमान के जरिए निष्प्रभावी बनाने के प्रयास पर हाईकोर्ट ने भारतीय खाद्य निगम के अधिकारियों के रवैये को गंभीरता से लिया है.

ग्रीष्मकालीन अवकाश कालीन युगलपीठ के जस्टिस जीएस अहलूवालिया एवं जस्टिस दीपक खोत ने एफसीआई से जवाब तलब किया है कि न्यायालय के आदेश को दरकिनार करने की कोशिश करने वाले अधिकारियों के खिलाफ अब तक क्या ठोस कार्रवाई की गई है. युगलपीठ ने स्पष्ट किया कि केवल कारण बताओ नोटिस जारी कर औपचारिकता निभाने से काम नहीं चलेगा, बल्कि दोषी अधिकारियों की वास्तविक जवाबदेही तय होना चाहिए.दरअसल मामला अर्जुन पटेल और अब्दुल खालिद दानिश के नियमितीकरण से जुड़ा है. दोनों कर्मचारियों के पक्ष में लेबर कोर्ट ने नियमितीकरण का आदेश दिया था. एफसीआई ने इस आदेश को चुनौती दी और मामला अंततः डिवीजन बेंच के समक्ष पहुंचा. सुनवाई के दौरान यह तथ्य सामने आया कि लेबर कोर्ट के आदेश को विधिक मंच पर तत्काल चुनौती देने के बजाय अधिकारियों ने विभागीय आदेश जारी कर उसके प्रभाव को निष्प्रभावी करने का प्रयास किया. बाद में जब लेबर कोर्ट में लंबित वसूली कार्यवाही रोकने का आवेदन और उसके विरुद्ध पुनरीक्षण याचिका खारिज हो गई, तब अपील दायर की गई. इस पर हाईकोर्ट ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि यदि किसी अधिकारी को न्यायालय के आदेश पर आपत्ति थी तो उसे कानूनन उपलब्ध मंच पर चुनौती दी जानी चाहिए थी.

बंधक बनाने का जिन पर है आरोप उससे की है शादी

बेटी को बंधक बनाकर रखे जाने के खिलाफ पिता ने हाईकोर्ट में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की थी. याचिका की सुनवाई के दौरान उपस्थित हुई बेटी ने हाईकोर्ट जस्टिस जी एस अहलूवालिया तथा जस्टिस दीपक खोत की युगलपीठ को बताया कि जिस व्यक्ति पर आरोप लगाये गये है, उससे विवाह कर लिया है. युगलपीठ ने बयान को रिकॉर्ड में लेते हुए याचिका का निराकरण कर दिया. मऊगंज जिले निवासी गोविंद कुशवाहा की तरफ से हाईकोर्ट में दायर की गयी थी. बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका में कहा गया था कि उसकी बेटी को शिव कुमार कुशवाहा नामक युवक ने बंधक बना रखा है.

डीएपी खाद से भरा ट्रक जब्त

शिवपुरी, 10 जून. जिले के कोलारस में प्रशासन एवं कृषि विभाग की संयुक्त टीम ने बिना वैध दस्तावेजों के डीएपी खाद से भरा एक ट्रक जब्त कर पुलिस के सुपुर्द कर दिया है. आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि कोलारस के निकट एक निजी गोदाम पर डीएपी खाद लिखी बोरियों से भरा ट्रक खड़ा होने की सूचना पर प्रशासन और कृषि विभाग की टीम ने जांच की. इस दौरान अधिकारियों ने ट्रक चालक से खाद संबंधी दस्तावेज मांगे, लेकिन वह मौके से फरार हो गया. सूत्रों के अनुसार चालक के सहायक को रोककर पूछताछ की गई, लेकिन वह भी खाद के संबंध में कोई संतोषजनक जानकारी नहीं दे सका.

अपने पुराने बैंक खाते में पैसे जमा करके भूल गए?

जो आपका है उसे वापस दिलाने में आरबीआई आपकी मदद करेगा।

आपके बैंक के निष्क्रिय खाते (2 वर्ष से ज़्यादा और 10 वर्ष तक असक्रिय) में जमा पैसे / दावा न की गई जमा राशि (10 वर्ष से अधिक) को आरबीआई के डीईए फंड में ट्रांसफर कर दिया जाता है। आप या आपके क़ानूनी वारिस उसे कभी भी वापस ले सकते हैं।

दीया फंड — जमाकर्ता शिक्षा और जागरूकता निधि — DEPOSITOR EDUCATION AND AWARENESS FUND

आपके पैसे वापस पाने के 3 आसान चरण

1. आपके बैंक की किसी भी शाखा में जाएं, भले ही वो आपकी नियमित शाखा न हो।
2. केवाईसी दस्तावेजों (आधार, पासपोर्ट, मतदाता पहचान पत्र या ड्राइविंग लाइसेंस) के साथ फॉर्म जमा करें।
3. सत्यापन के बाद ब्याज समेत, यदि है तो, अपने पैसे वापस पाएं।

आपके दावा न किए गए पैसे के बारे में जानने के लिए

आपके बैंक की वेबसाइट पर खोजें या आरबीआई के UDGAM पोर्टल (**https://udgam.rbi.org.in**) पर देखें, जिसमें फ़िलहाल 30 बैंक शामिल हैं।

अधिक जानकारी के लिए **https://rbikehtahai.rbi.org.in** देखिए
प्रतिक्रिया के लिए **rbikehtahai@rbi.org.in** पर लिखिए
क्यूआर कोड स्कैन कीजिए
आधिकारिक व्हॉट्सऐप नंबर 99990 41935

जनहित में जारी
भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

छापे में मिला 9.5 करोड़ का खजाना

- 30 साल की नौकरी में वैध आय से 241% अधिक संपत्ति
- बंगला, डिपार्टमेंटल स्टोर और 11 कीमती भूखंडों का खुलासा

नव भारत न्यूज

इंदौर. लोकायुक्त पुलिस ने भ्रष्टाचार के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी सर्जिकल स्ट्राइक करते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त संचालक के ठिकानों पर एक साथ छापा मार कार्रवाई की है.

लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक राजेश सहाय को मिली गोपनीय सूत्र सूचना के बाद शुरू हुई इस कार्रवाई ने प्रशासनिक अमले में हड़कंप मचा दिया है. आरोपी अधिकारी ने अपने 30 साल के सेवाकाल में पद का दुरुपयोग और भ्रष्टाचार करते हुए अपनी वैध आय से 241 प्रतिशत अधिक अनुपातहीन संपत्ति अर्जित की है, जिसकी शुरुआती सत्यापित कीमत ही करीब 9.5 करोड़ रुपए आंकी गई है. लोकायुक्त एसपी राजेश सहाय को शिकायत मिली थी कि महिला एवं बाल विकास विभाग इंदौर में पदस्थ संयुक्त संचालक लक्ष्मी नारायण कंडवाल ने अपने सेवाकाल के दौरान बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार कर अकूत बेनामी संपत्ति खड़ी की है. (शेष पेज 9 पर)

बिजलीकर्मियों की कार पलटी, एक की मौत, 4 घायल

श्योपुर, 10 जून. कोटा शहर से श्योपुर वापस लौट रहे बिजली कंपनी के आउटसोर्स कर्मचारियों की कार रास्ते में टायर फटने से हादसे का शिकार हो गई. कार में सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई जबकि, दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें कोटा शहर के अस्पताल के लिए रेफर किया गया है. घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा कर मामले की जांच शुरू कर दी है.

संकट काल | कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी व राहुल गांधी से हुई मुलाकात

कवच के रूप में टीएमसी को कांग्रेस का साथ

प्रवेश कुमार मिश्र

नई दिल्ली, 10 जून. पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में सत्ता गंवाने के बाद बहुस्तरीय संकटों से जूझ रहीं तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी व उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी की कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी व राहुल गांधी से मुलाकात कोई सामान्य मुलाकात नहीं है बल्कि इसे राजनीति में नए समीकरण का उदय व सकारात्मक संदेश का आगाज माना जा रहा है.

> राजनीतिक विश्लेषक मान रहे हैं कि इस मुलाकात के राजनीतिक मायने केवल बंगाल तक सीमित नहीं हैं. यह घटनाक्रम देश की विपक्षी राजनीति में क्षेत्रीय दलों के घटते प्रभाव और कांग्रेस के पुनरुत्थान को रेखांकित कर रहा है. कल तक जो क्षेत्रीय क्षत्रप कांग्रेस को दरकिनार कर खुद विपक्षी एकता का चेहरा बनने की होड़ में थे, आज वे अपने वजूद को बचाने के लिए उसी कांग्रेस के नेतृत्व को स्वीकार करने पर विवश हैं.

राजनीतिक जानकार बता रहे हैं कि यह मुलाकात महज इंडिया समूह के समन्वय की सामान्य कवायद नहीं है, बल्कि गहरे आंतरिक संकट से घिरी एक क्षेत्रीय पार्टी की राष्ट्रीय शरणस्थली तलाशने की छटपटाहट है. वर्तमान में तृणमूल कांग्रेस अपने सबसे कठिन दौर से गुजर रही है. ऐसे में क्षेत्रीय राजनीति में अलग-थलग पड़ चुकीं ममता बनर्जी के लिए देश की सबसे पुरानी राष्ट्रीय पार्टी कांग्रेस की शरण में जाने के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं सूझा. बंगाल की शेरनी कही जाने वाली ममता बनर्जी ने जिस कांग्रेस से बगावत कर टीएमसी को सत्ता तक पहुंचाया, वही आज अपने दल में मचे उथल-पुथल व बगावत से दल को बचाने और एक राजनीतिक कवच तैयार करने के लिए कांग्रेसी सहयोग पाने की कोशिश में हैं. (शेष पेज 9 पर)